522
MKN.

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate:	IQBAL AHMAD	**Subject/Code:**	Essay
UPSC Roll No:	6421410	**Date:**	04 Sep. 2024
Drishti Id:		**E-mail Id:**	[redacted]
Centre:	M.K.N./522	**Medium:**	HINDI

Test Code: Essay-09

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)		
	Max. Marks	**Marks Obtained**
	(Essay Topic No.)	**(Marks)**
Section-A		
Section-B		
Total		
Overall Feedback		

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only			
Time Taken	**Start Time:**	**End Time:**	**Student Signature**
Mode of Examination	**Online** ☐	**Offline** ☐	

For Office Use Only				
Evaluators Code	**Evaluator Sign**	**Evaluation Date**	**Reviewers Code**	**Reviewers Sign**

Feedback				
Sr. No	**मापदण्ड/Parameters**	**Max. Marks**	**Section-A (Essay-1)**	**Section-B (Essay-2)**
1.	**परिचय:** विषय और संलग्नता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ संरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep ***closely to the subject*** *of the essay to* ***arrange their ideas in orderly fashion*** *and to* ***write concisely.*** *Credit will be given for* ***effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के ***विषय के निकट*** *रखते हुए* ***क्रमबद्ध*** *करें तथा* ***संक्षेप*** *में लिखें।* ***प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों*** *के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: (125 × 2 = 250)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic: (4)

अपने सिद्धांतों के लिए लड़ना हमेशा ही उन पर जीने से आसान होता है।

स्वतंत्रता के बाद भारत की एक युवा स्त्री पुलिस वर्दी के आकर्षण से मोहित हो गई। वर्दी का अनुशासित जीवन समाज सेवा की प्रबल इच्छा के प्रतिनिधित्व से प्रेरित था और इसी चाहत के मोह ने उसे लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रेरित किया। हालांकि उस समय के 'युग' का भारत लैंगिक रूढ़िवादिता, पितृसत्ता की कठोर मानसिकता से गंभीर रूप से जकड़ा हुआ था; ऐसे समय में जबकि पड़ोस के खेल के मैदान में जाने जैसी बुनियादी बातों से भी लोग अपनी बेटी को भेजना अपनी अस्मिता पर कुठाराघात

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

समझते थे। वास्तव में महिलाओं को ऐसी किसी भी भूमिका में कदम रखने का विचार तो दूर की कौड़ी थी।

फिर भी इन भयावह बाधाओं का सामना करते हुए एक बहादुर लड़की ने इस परंपरागत प्रथा को चुनौती दी। वह स्वयं से अपेक्षित पारंपरिक भूमिका से मुक्त होकर अपना कैरियर बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर घर से निकल पड़ी।

अनेक अथक प्रयासों के बाद भारत को प्रथम आई० पी० एस० के रूप में पहली भारतीय महिला किरण बेदी के रूप में मिली जिसने समाज की परंपरागत वर्जनाओं को तोड़ा था। उन्होंने न केवल इतिहास रचा बल्कि यह भी दिखाया कि किस तरह अपने सिद्धांतों के लिए लड़ना उन पर जीने से आसान होता है।

सामान्यत: सिद्धांतों के लिए अक्सर भटकाव की स्थिति में मानव मन निरंतरता की खोज करता है जहां उसे हमेशा ही प्रकृति प्रदत्त बाधाओं का सामना करना पड़ता है ये बाधाएं कदाचित् रूप

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

से हालांकि परेशान तो करती हैं मगर एक बेहतर जीवनशैली को प्रस्तुत करती हैं। इतिहास गवाह है हमेशा सिद्धांतों से लड़ने के लिए ही युद्ध हुए हैं स्वयं को सही ठहराने के लिए और स्वयं तथा समाज के जीवन की राह आसान करने के लिए इतिहास में ऐसे कई समाज सुधारक हुए हैं।

जीवन को आसान बनाने के लिए सिद्धांतों, कानूनों, नियमों की एक परिपाटी का निर्माण किया गया; जिनमें विभिन्न देशों ने अपने सांस्कृतिक सिद्धांतों के अनुसार विशेष बातों से संबोधित किया है। भारत में इसे भारतीय संविधान के रूप में सिद्धांतों का एक लिखित अधिकार समझा जाता है जहां पर जीवन की राह आसान बनाने एवं समाज में समन्वय लाने हेतु अनेक अधिनियम समाहित किये गये हैं।

अपने सिद्धांतों से लड़ने तथा जीवन को आसान बनाने के लिए विभिन्न कानून जैसे आर॰टी॰आई॰ अधिनियम, पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन आदि जैसे नियम समाज के विभिन्न तबकों यथा, गरीब, वृद्ध, LGBTQIA+, दिव्यांगों आदि

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के अधिकारों हेतु सरकार से लड़कर इन्हें न्याय प्रदान कराकर इनके जीवन की राह को आसान बनाने की अनुक्रिया करते हैं। कहा जाता है कि —

"सागर की भी अपनी क्षमता है
पर मांझी भी कब थकता है
जब तक हाथों में स्पन्दन है
उसका हाथ नहीं रुकता है
इसके ही बल पर कर डाले,
सात समुन्दर पार
तूफानों की ओर बढ़ा दो
नाविक निज - पतवार"!

— शिवमंगल सिंह 'सुमन'

प्रत्येक दौर में सिद्धांतों से लड़ने वाले लोगों ने ही इतिहास रचा है। जब भी कभी ऐसी नौबत आती है

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तो हजारों बाधाओं का सामना करना पड़ता है और इन्हीं बाधाओं, तूफानों से उबरने के बाद जो प्रतिफल प्राप्त होता है वह कितना अद्वितीय होता है, यह संघर्ष करने वाला ही बेहतर तरीके से समझ सकता है।

प्रत्येक दौर में सिद्धांतो से लड़ने के लिए अनेक वीरों ने लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए अपनी आहुतियां दी हैं। क्योंकि बिना सिद्धांतों से लड़े बिना लोग किसे सफलता प्राप्त करना प्रत्येक दौर में कठिन रहा है।

सुकरात को अपने सिद्धांतों से समझौता करने का दबाव डाला गया परन्तु सुकरात ने कहा ज्ञान एवं सत्य हमेशा निष्कपट और निष्कंटक जीवन की अभिप्रेरित अवस्था का बोध कराते हैं और मैं अपने सिद्धांतों से समझौता करने की अपेक्षा मृत्यु के वरण के लिए जहर का घूंट पीना पसंद करूंगा। सिद्धांतों की परिपाटी पर खरा उतरने के लिए हजारों सालों बाद भी दुनिया सुकरात को याद करती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में सिद्धांतों की वृहद परिपाटी के रूप में लोगों में उच्च कोटि की परिपक्वता का बोध है जिसके कारण समय-समय पर सिद्धांतों के खिलाफ जाने पर संघर्ष एवं जागरूकता की मिश्रित अभिलक्षणा देखने को मिलती है। ऐसा ही एक संघर्ष भारत में भ्रष्टाचार की समाप्ति के लिए अन्ना हजारे द्वारा लोकपाल गठन के लिए किया गया। इस आंदोलन ने सिद्धांतवादी आंदोलन के माध्यम से जीवन की राह को बेहतर बनाने हेतु जनता से आह्वान किया कि वे अपनी जागरूकता का परिचय देकर भ्रष्टाचार की आहुति दें।

प्रत्येक दौर में सिद्धांतों से लड़ने की परंपरा विद्यमान रही है जिसके क्रम में प्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक कार्ल-मार्क्स का कथन महत्वपूर्ण है —

"दुनिया भर के श्रमिकों एक हो जाओ, अपनी पैरों की बेड़ियों को तोड़ने के लिए अपने श्रम के सिद्धांतों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का उपयोग करो, और पूंजीपति वर्ग की सत्ता को समाप्त करके अपने जीवन को आसान बना लो"।

सिद्धांतों की लड़ाई और जीवन के विकास की राह बनाने की यात्रा गहराई से मेल खाती है। इस संदर्भ में स्वतंत्रता प्राप्ति के समय महात्मा गांधी द्वारा अनेक बार आमरण अनशन किया गया तथा कई बार उन्हें अपने सिद्धांतों से समझौता करने को कहा गया परन्तु उन्होंने हमेशा ही इससे इनकार करके अपने सिद्धांतों के अनुरूप जीवन की राह पकड़ी 1919 में चौरी-चौरा हिंसा में महात्मा गांधी ने आंदोलन को वापस लेना मुनासिब समझा। गांधी कहते हैं कि सत्य और अहिंसा के मेरे सिद्धांत में हिंसा किंचित मात्र भी नहीं है और किसी भी रूप में मैं इसका समर्थन नहीं कर सकता कि हिंसा के बल पर मैं भारत की स्वतंत्रता का उपभोग करूं।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सिद्धांतों से लड़ने की अभिव्यक्ति से समाज एवं प्रकृति की गहराई को बेहतर तरीके से समझा जा सकता है जहां कुतिपाड़ी तौर पर सिद्धांतों से समझौता किये बिना इतिहास में ऐसी अनेक मिसालें मौजूद हैं।

मन्सूर बिन् हिजाज ने अपने सिद्धांतों से समझौता करने से इनकार कर दिया तथा तत्कालीन सरकार ने उनसे कहा कि वे अपनी अनल-हक की अवधारणा यदि वापस नहीं लेंगे तो उनको मृत्यु दण्ड दिया जा सकता है उन्होंने सिद्धांतो से समझौता न करके मृत्यु का वरण करना चुना उनके एक-एक अंग शरीर से अलग कर दिये गये क्योंकि सिद्धांत की परिपाटी की महानता जीवन की सारी बाधाओं को समाप्त करके ईश्वरीय सुख की अनुभूति में योग देती है।

सिद्धांतों की परिपाटी ने जहां पुनर्जागरण काल में लोगों को उनके अधिकारों से अवगत कराया वहीं यह भी

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बताया कि बिना सिद्धांतों को समझे समाज का कल्याण मुमकिन नहीं है। मान्टेस्क्यू, जॉन लॉक, जीन जैक्स रूसो, संत साइमन आदि जैसे अनेक समाज सुधारकों ने जनता को उनके अधिकारों के लिए सिद्धांतों की परिपाटी से अवगत कराया जिससे फ्रांसीसी क्रांति, नव-जागरण, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता जैसे मूल्यों का विकास हुआ।

महाभारत में श्री कृष्ण नैतिक सिद्धांतों की परिपाटी में कौरव से पाण्डव लोगों के लिए उनकी भूमि वापस करने को कहते हैं, यहां तक कि वे बस पांच भाइयों के लिए केवल पांच गॉंव देने की याचना करते हैं जिससे कि मामले को समाप्त करके युद्ध को रोककर जीवन की राह बेहतर की जा सके।

सिद्धांतों से लड़ने की चुनौती को पार किये बिना जीवन की राह प्राप्त नहीं की जा सकती है। सिद्धांत एक 'शूल' की भांति होता है जिसकी चुभन से जूझने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के बाद ही पुरुष अपनी अभिलाषा की मोहकता को प्राप्त कर सकता है।

नमक के दरोगा के रूप में वंशीधर समय के हिसाब से प्रतिष्ठित पद पर काबिज हैं, शहर के प्रसिद्ध व्यापारी पंडित अलोपीन की गाड़ी रात में नमक की तस्करी करते समय रोक ली नजराना (रिश्वत) की पेशकश हुई परन्तु अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, अंततः पंडित जी को स्वयं आना पड़ा परन्तु सिद्धांत वादी व्यक्ति हमेशा अटल रहता है गिरफ्तार किया अंग्रेजी हुकूमत के कारण ने उल्टा वंशीधर को ही बर्खास्त कर दिया।

समय का चक्र चला अलोपीदीन स्वयं आपने बेहतर पद से सुशोभित किया। सिद्धांतों की विजय हुई एवं जीवन जीना आसान हुआ।

भारत की ईरोम शर्मिला चानू ने अफस्पा हटाने के लिए वर्षों तक अनशन किया जिससे कि लोगों के जीवन में अफस्पा जैसे मानवाधिकार हनन के कानून को समाप्त करके बेहतर किया जा सके।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ब्रूनो को अपने सिद्धांतों पर अटल रहने एवं धार्मिक सिद्धांतों को वैज्ञानिक सिद्धांत से चुनौती आंकने के लिए तथा अपने तर्क को वापस न लेने पर ज़िंदा जला दिया गया।

सिद्धांत एक ऐसी परिपाटी को जन्म देता है जब की मानवीय मूल्य उसके लिए अपने जीवन की आहुति देने से भी नहीं डरता है।

भगत सिंह ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया, वे कहते हैं कि सिद्धांत ही एकमात्र आधार है जो मुझे मेरी राह दिखाकर भारत के लोगों की आजादी के लिए मुझे प्रेरित करती है।

सिद्धांत जीवन की अवचेतन प्रक्रिया के द्वारा व्यक्ति के ज्ञान, बोध, संचार को बेहतर निर्माण माहौल प्रदान करते हुए समाज के साथ सहज अंतःक्रिया प्रदान करने हेतु प्रेरित करते हैं।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: **e-mail:** care@groupdrishti.in :: **Website:** www.drishtiIAS.com
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वैज्ञानिक क्रम में देखें तो अल्बर्ट आइंस्टीन के सापेक्षता सिद्धांत ने व्यक्तियों की अनेक मुश्किलों को समाप्त करके कई सारे प्रश्नों का उत्तर देकर जीवन की राह को आसान बनाने का कार्य किया है।

भारतीय मनीषियों ने अपने खगोलीय, गणितीय, चिकित्सकीय सिद्धांतों से भारतीय एवं वैश्विक समाज की राह को आसान बनाने का कार्य प्रत्येक दौर में किया है।

अपने सिद्धांतों से लड़ने की अपेक्षा जीवन की मनोवृत्तियों को समझकर नैतिकता, मूल्य, करुणा, दया और क्षमा जैसी अभिवृत्तियों की परिपाटी को सिद्धांतों के क्रमिक अभ्यास की निरंतरता से जोड़ना ही प्रत्येक दौर में मानव सृजनशीलता का आख्यान रहा है। ये सिद्धांत जहां जीवन की विभिन्न चुनौतियों से समाज को अवगत कराते हैं वहीं व्यक्तिगत

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्तर पर मनुष्य के लक्ष्यों के प्रति प्रेरित भी करते हैं।

सिद्धांतों से लड़े बिना तुम समाज की कुरीतियों के बारे में, उनकी समाप्ति के बारे में नहीं समझ सकते हो, मैं तुम्हें एक मंत्र देता हूं जब भी तुमको ये लगे कि किसी भी अवधारणा को लागू करते समय कैसे जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है तो तुम समाज में लगी लाइन (कतार) की अंतिम पंक्ति में देखना कि किस प्रकार तुम उस व्यक्ति के जीवन को आसान बना सकते हो!

— "महात्मा गांधी"

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Topic: (6)

जब प्रेम रूपी सत्ता, सत्ता के प्रति प्रेम पर विजय प्राप्त कर लेगी, तो दुनिया को शांति का अनुभव होगा।

अमेरिकी सीनेट में विजय प्राप्त करने के बाद आब्राहम लिंकन धन्यवाद एवं स्वागत करने हेतु मंच पर संबोधित करने के लिए खड़े हुए। सदस्यों में से एक व्यक्ति खड़ा हुआ और कहा महोदय, आपके पिता जी ने मेरा जूता बेहतर तरीके से सिला था, मैं अपने कालेज के दिनों में उन्हीं की सेवा लिया करता था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

लिंकन ने उसे प्यार से देखा और अपना सम्बोधन आगे बढ़ाते हुए कहा धन्यवाद, मेरे पिता जी एक कर्तव्यनिष्ठ एवं लोकप्रिय मोची थे जिन्होंने मुझे नैतिकता की शिक्षा प्रेम के रूप में दी है और मैं प्रत्येक व्यक्ति से कहना चाहता हूं कि अपनी सत्ता के उपयोग के लिए प्रेम के आदर्शों का उपयोग करें जहां किसी प्रकार की नस्लीय भेदभाव, नृजातियता का अंश नहीं होना चाहिए जिससे कि हम इस लोकतांत्रिक देश को समता, बंधुता की अवधारणा से परिपोषित कर सकें।

वर्तमान समय में सत्ता की लोलुपता से अक्सर लोग आश्रित होकर नफरत, ईर्ष्या, भ्रष्टाचार जैसी अनैतिक कुपमंडूकता को पोषित करते हैं, जिससे विभिन्न प्रकार की असमाजिकता जैसे → साम्प्रदायिकता, क्षेत्रवादिता, अनैतिकता को बल मिलता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

"पोथि पढ़ि-पढ़ि जग मुआ
भया न पंडित कोय
ढ़ाई आखर प्रेम का
पढ़े सो पंडित होय"।

— कबीर

संत कबीर कहते हैं कि प्रेम में जो अपनापन है, वात्सल्य है वह सभी के उत्थान के लिए अभूतपूर्व है। प्रेम भी शास्वत सत्ता ज्ञान रूपी पवित्र ज्योति प्रज्वलित करती है जिससे सम्पूर्ण संसार में शांति का मार्ग स्थापित होता है।

जब प्रेम रूपी सत्ता प्रेम पर विजय प्राप्त करती है तो समाज में एक वृहद क्रांति का उद्घोष होता है यह क्रांति विश्व में शांति, सुख और संतुष्टि को

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पोषित करती है।

हजरत मुहम्मद मक्का को फतह करने के बाद लोगों को सम्बोधित करते हुए कहते हैं कि मैं आपसे बदला नहीं लूंगा कि आपने मुझे अपने घर से हिजरत करने के लिए मजबूर किया बल्कि मैं आपका आभारी हूं कि मैं अपने अंदर समाहित प्रेम, दया, करुणा आदि जैसे मूल्यों का बोध कर सका। आप सभी प्रेम एवं शांति पूर्वक अपना जीवन जीयें।

सत्ता पर प्रेम की विजय युगों-युगों तक शामिल होती रही है। महलों में रहने वाला एक राजकुमार सिद्धार्थ केवल में जब सुखों के उपभोग से निकलकर सत्ता को ठोकर मारकर प्रेम और करुणा का रास्ता चुनता है तो बुद्ध कहलाता है तथा अप्प: दीपो भव: की संकल्पना करता हुआ बुद्ध शांति, सहज संतुष्टि, मध्यम मार्ग, अष्टांगिक मार्ग आदि के माध्यम से

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विश्व को शांति का पाठ पढ़ाता हुआ रशिया के प्रकाश पुंज की अवधारणा को समाहित कर लेता है।

तरदामनी पे शेख हमारी न जाइयो
दामन निचोड दें तो फरिश्ते वजू करें !!

जब प्रेम रूपी सत्ता अपना प्रसार करती है तो बड़े से बड़ी सत्ता भी आत्म समर्पण कर देती है। द्वितीय विश्व युद्ध में हिटलर ने लाखों यहूदी धर्म के लोगों का संहार किया क्योंकि वह सत्ता के मद में डूबा हुआ था ऐसी सत्ता जिसकी पिपासा मानव रक्त से सनी हुई थी अंतत: ~~प्रकृति~~ प्रकृति ने ऐसी सत्ता को जनता के माध्यम से समाप्त कर दिया।

सत्ता के प्रति लोभ एवं क्रूर नीतियां प्रत्येक दौर में जारी रही हैं —

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कलिंग युद्ध में अशोक ने जब भीषण नरसंहार देखा मन में सत्ता का लोभ समाप्त हो गया प्रेम के दीप का प्रकाश प्रज्वलित हुआ। युद्ध समाप्ति की घोषणा की तथा धर्म के अनुसार बाकी का जीवन जीने तथा वैश्विक शांति एवं धर्म की आभा को समझाने हेतु अपने पुत्र महेन्द्र तथा पुत्री संघमित्रा को प्रसार हेतु अन्य देशों की यात्रा करने एवं शांति प्रदान करने में सहयोग के लिए निर्देशित किया।

केवल प्रेम से ही जग को जीता जा सकता है बिना प्रेम के कोई भी सत्ता अधिक दिन तक नहीं रह सकती है। अगर प्रेम न हो तो सत्ता की लोलुपता से आतुर तानाशाही की स्थिति पैदा हो जाएगी।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पहले जब हरि था तब मैं नहीं,
अब हरि है मैं नाहीं!
प्रेम गली अति सांकरी,
जामें दोऊ न समाहिं !!

— संत कबीर

प्रेम एवं सत्ता संघर्ष साथ - साथ नहीं चल सकते हैं जिसमें किसी एक को अपना वर्चस्व स्थापित करना होता है और इस क्रम में प्रेम सर्वथा सत्ता पर विजय प्राप्त करता है। सत्ता की लालसा एवं प्रेम की अभिव्यक्ति कदाचित् रूप से एक साथ चलायमान नहीं हो सकती है।

महात्मा गांधी कहते हैं कि ईश्वर प्रेम करो अगर तुम बिना प्रेम के सत्ता प्राप्त करना चाहते हो तो यह असम्भव है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रूसो अपने जनरल विल (General will) के सिद्धांत में सत्ता और प्रेम की बेहतर अभिव्यक्ति के माध्यम से कहते हैं कि प्रेम रूपी सत्ता ने ही प्रत्येक मनुष्य को स्वतंत्र बनाया है नहीं तो प्रत्येक मानव अज्ञानता की बेड़ियों से जकड़ा रहता। और जब उसकी अज्ञानता का नाश होता है तो वह अपनी जनरल विल की शक्ति के कारण अपनी सत्ता को प्राप्त करके वैश्विक शांति के लक्ष्य का वरण करता है।

"रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़ो चटकाय
टूटे से न जुड़ै - जुड़े गांठि पड़ि जाय।"

— रहीमदास

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
drishti
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सत्ता प्राप्ति के लिए अधिकांश लोग दिन रात अनैतिक गतिविधि में लगे रहते हैं जिससे प्रेम तथा नैतिकता के तत्व क्षीण होते हैं एवं विश्व में अशांति का माहौल बनता है। इस प्रकार की प्रवृत्ति को समाप्त करके एकता, भाईचारा, बंधुता, समता जैसे मूल्यों का समावेश किया जाना चाहिए।

प्रेम रूपी सत्ता की विजय अभिलाषा अफ्रीका की क्रांति में झलकती है जब नेल्सन मंडेला दशकों तक जेल में रहकर यहलवाद और औपनिवेशकों से जूझते हैं जहां स्वतंत्रता के समय वह उनसे ~~बदला~~ ϵ बदला लेने से इंकार कर देते हैं और एकता तथा बंधुता एवं काले - गोरे जैसे भेद-भाव को समाप्त करके विश्व शांति की पेशकश करते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

जब परिवार में प्रेम होता है तो पड़ोस की सत्ता भी शांत रहती है तथा पड़ोस की सत्ता की शांति से देशों में भी शांति रहती है और जब देशों में शांति रहती है तो सम्पूर्ण विश्व में शांति रहती है।

प्रेम रूपी शांति सत्ता को सन्मार्ग प्रदान करती है जिससे एक बेहतर अवसंरचनात्मक सौहार्द्य का बोध होता है।

भारतीय संस्कृति में प्रेम रूपी सत्ता की महत्ता प्रत्येक युग में बलवती होती रही है जहां पर शांति एवं सुख तथा संतुष्टि के लिए वसुधैव कुटुम्बकम जैसी अवधारणा दी गई है।

वहीं भारतीय शास्त्रों में ईश्वर का मनुष्य से प्रेम की सत्ता का भी अनेक रूपों में

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वर्णन मिलता है।

'रूमी' कहते हैं कि प्रेम में उतरने के लिए ईश्वर को जानना जरूरी नहीं है बल्कि ऐसे माहौल बनाना है जिससे नैतिकता की उच्चतम श्रृंखला को समझा जा सके। सत्ता प्रत्येक रूप में कठोर हो ये जरूरी नहीं, बल्कि सत्ता को ईश्वरीय विधानों के अनुरूप प्रेम से प्रभावित होना चाहिए।

सत्ता जब प्रेम का वरण करती है तो समाज में सकारात्मकता का बोध होता है यह सकारात्मकता आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, वैज्ञानिक, तकनीकी आदि जैसे सत्ता या प्रत्येक के जीवन की राह को आसान करते हुए प्रेम के विजय की

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh

Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

तरफ अग्रेसित करते हुए विश्व बंधुत्व तथा विश्व शांति की विलक्षणता को शामिल करती है। जब सत्ता का कठोर वर्चस्व होता है तो प्रेम भी असफल हो जाता है —

"तूफान से बच के टूटी है कश्ती कहां न पूछ
साहिल भी ऐतबार के काबिल नहीं रहा"।

— मनीष त्रिपाठी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: **e-mail:** care@groupdrishti.in :: **Website:** www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation